2

हींगवाला

शिक्षक निर्देश: पाठ को रोचक बनाने हेतु सॉफ्टवेयर का प्रयोग करें।

यह पाठ हींग बेचने वाले एक खान की चारित्रिक विशेषताओं से अवगत कराता है। साथ ही, यह वर्तमान में शून्य होती मानवीय संवेदनाओं की ओर भी संकेत करता है।

"अम्मा, हींग लेगा?" कहता हुआ लगभग 35 साल का खान आँगन में रुक गया। पीठ पर बाँधी हुई पोटली को उसने नीचे रख दिया और **मौलसिरी** के नीचे बने हुए चबूतरे पर बैठ गया। भीतर बरामदे से एक नौ-दस वर्ष के बालक ने बाहर निकलकर उत्तर दिया, "अभी कुछ नहीं लेना है, जाओ।"

पर खान भला क्यों जाने लगा? वह बैठ गया और अपने **साफे** के **छोर** से हवा करता हुआ बोला, "अम्मा, हींग लो। अम्मा, हम अपने देश **कूँ** जाता है, बहुत दिनों में लौटेगा।" सावित्री रसोईघर से हाथ धोकर बाहर आई और बोली, "हींग तो बहुत-सी ले रखी है, खान। अभी पंद्रह दिन हुए नहीं, तुमसे ही हींग ली थी।" वह उसी स्वर में फिर बोला, "हेरा हींग है माँ, हम तुम्हारे हाथ की **बोहनी** माँगता है। एक ही तोला ले लो, पर लो ज़रूर।" इतना कहकर फ़ौरन एक डिब्बा सावित्री के सामने सरकाते हुए कहा, "तुम और कुछ मत देखो माँ, यह हींग एक नंबर है। हम तुम्हें धोखा नहीं देगा।

सावित्री बोली, "पर इतनी हींग लेकर क्या करूँगी! ढेर सारी तो रखी है।" खान ने कहा, "कुछ भी ले लो, अम्मा। हम देने के लिए आया है, घर में पड़ी रहेगी। हम अपने देश कूँ जाता है। खुदा जाने कब लौटूँगा" और खान बिना उत्तर की प्रतीक्षा किए हींग तौलने लगा। पर सावित्री के बच्चे बहुत नाराज़ हुए। सभी बोल उठे, "मत लेना माँ, तुम कभी न लेना। ज़बरदस्ती तौले जा रहा है।" जब खान ने हींग तौलकर पुड़िया बनाकर सावित्री के सामने रख दी, तब सबसे छोटे बच्चे ने पुड़िया उठाकर खान की ओर फेंकते हुए कहा, "ले जाओ, हमें नहीं लेना है। चलो माँ, भीतर चलो।"

सावित्री ने किसी की बात का उत्तर न दे, हींग की पुड़िया उठा ली और पूछा, "कितने पैसे हुए, खान?" "पैंतीस पैसे, अम्मा।" खान ने उत्तर दिया। सावित्री ने सात पैसे तोले के भाव से पाँच तोले का दाम पैंतीस पैसे लाकर खान को दे

दिए। खान सलाम करके चला गया। पर बच्चों को माँ की यह बात अच्छी न लगी।

बड़े लड़के ने कहा, "माँ! तुमने खान को वैसे ही पैसे दे दिए, हींग की कुछ ज़रूरत नहीं थी।" छोटा माँ से चिढ़कर बोला, "दो माँ, पैंतीस पैसे हमको भी दो। हम बिना लिए न रहेंगे।" लड़की जिसकी उम्र आठ साल की थी, बड़े गंभीर स्वर में बोली, "तुम माँ से पैसा न माँगो। वे तुम्हें न देंगी। उनका बेटा वही खान है।" सावित्री को इन बच्चों की बातों से हँसी आ रही थी। उसने अपनी हँसी दबाकर बनावटी क्रोध से कहा, "चलो-चलो, बड़ी बातें बनाने लग गए हो। खाना तैयार है, खाओ।"

छोटा बोला, "पहले पैसे दे दो। तुमने खान को दिए हैं।" सावित्री ने कहा, "खान ने पैसे के बदले में हींग दी है। तुम क्या दोगे?" छोटा बोला, "मिट्टी देंगे।"

सावित्री हँस पड़ी, "अच्छा चलो, पहले खाना खा लो, फिर मैं रुपया तुड़वाकर तीनों को पैंतीस-पैंतीस पैसे दूँगी।" खाना खाते-खाते हिसाब लगाया गया। एक रुपया में सौ पैसे, पैंतीस पैसे रतन लेगा, पैंतीस पैसे मुन्नी लेगी, छोटे के लिए तो तीस पैसे बचेंगे। छोटा बिगड़ पड़ा, "कभी नहीं, मैं तीस पैसे नहीं लूँगा।" दोनों में मारपीट हो चुकी होती, यदि मुन्नी तीस पैसे स्वयं लेना स्वीकार न कर लेती।

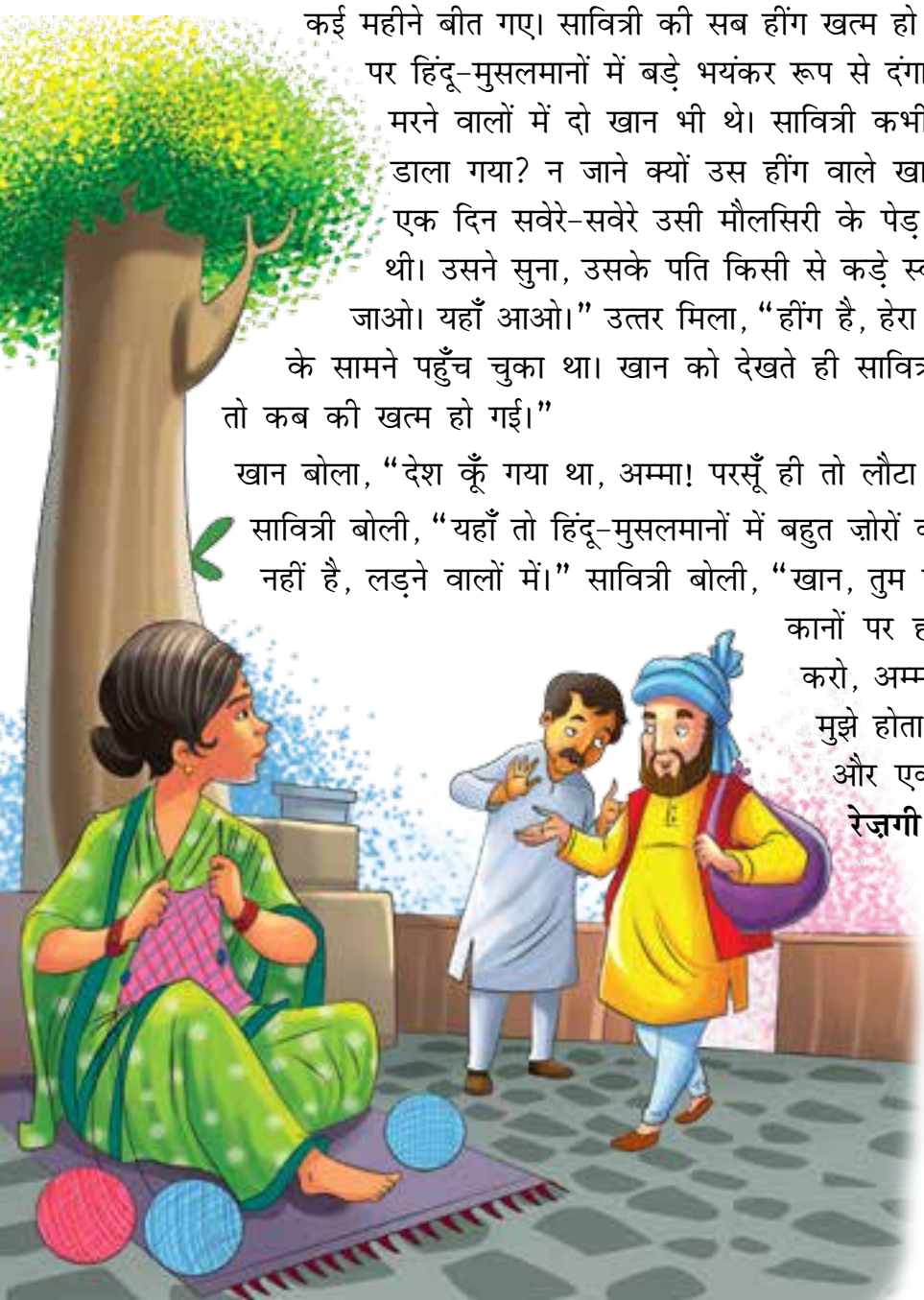

कई महीने बीत गए। सावित्री की सब हींग खत्म हो गई। इसी बीच होली आई। होली के अवसर पर हिंदू-मुसलमानों में बड़े भयंकर रूप से दंगा हो गया। बहुत-से हिंदू-मुसलमान मारे गए। मरने वालों में दो खान भी थे। सावित्री कभी-कभी सोचती, हींगवाला खान तो नहीं मार डाला गया? न जाने क्यों उस हींग वाले खान की याद उसे प्रायः आ जाया करती थी। एक दिन सवेरे-सवेरे उसी मौलसिरी के पेड़ के नीचे चबूतरे पर बैठी वह कुछ बुन रही थी। उसने सुना, उसके पति किसी से कड़े स्वर में कह रहे हैं, "क्या काम है? भीतर मत जाओ। यहाँ आओ।" उत्तर मिला, "हींग है, हेरा हींग।" और खान तब तक आँगन में सावित्री के सामने पहुँच चुका था। खान को देखते ही सावित्री ने कहा, "बहुत दिनों में आए खान। हींग तो कब की खत्म हो गई।"

खान बोला, "देश कूँ गया था, अम्मा! परसूँ ही तो लौटा हूँ।"

सावित्री बोली, "यहाँ तो हिंदू-मुसलमानों में बहुत ज़ोरों का दंगा हो गया।" खान बोला, "सुना। समझ नहीं है, लड़ने वालों में।" सावित्री बोली, "खान, तुम यहाँ चले आए। तुम्हें डर नहीं लगा?" दोनों कानों पर हाथ रखते हुए खान बोला, "ऐसी बात मत करो, अम्मा। बेटे को भी क्या माँ से डर हुआ है, जो मुझे होता।" इसके बाद ही उसने अपना डिब्बा खोला और एक **छटाँक** हींग तौलकर सावित्री को दे दी। **रेज़गी** दोनों में से किसी के पास न थी। "खान पैसा फिर आकर ले जाएगा," सावित्री को सलाम करके वह चला गया।

दशहरा हिंदुओं का त्योहार होता है। पिछली होली पर दंगा हो चुका था। हिंदू होली न जला सके थे। दशहरा का दिन उत्साह के

साथ मनाने की तैयारी में थे। चार बजे शाम को जुलूस निकलने वाला था। पुलिस का काफ़ी प्रबंध था। सावित्री के बच्चों ने कहा, "हम भी काली का जुलूस देखने जाएँगे।"

सावित्री के पति शहर से बाहर गए थे। सावित्री स्वभाव से **भीरु** थी। उसने बच्चों को खिलौनों का, सिनेमा का, न जाने कितने **प्रलोभन** दिए, पर बच्चे न माने, सो न माने। नौकर रामू भी जुलूस देखने को बहुत उत्सुक हो रहा था। उसने कहा, "भेज दो न माँ जी, मैं अभी दिखाकर लिए आता हूँ।" लाचार होकर सावित्री को काली का जुलूस देखने के लिए बच्चों को भेजना पड़ा। उसने बार-बार रामू को **ताकीद** दी कि दिन रहते ही बच्चों को लेकर लौट आए।

बच्चों को भेजने के साथ ही सावित्री उनके लौटने की प्रतीक्षा करने लगी। देखते ही देखते दिन ढल चला। अंधेरा भी बढने लगा, पर बच्चे न लौटे। अब सावित्री को न भीतर से चैन था, न बाहर से। इतने में ही कुछ आदमी सड़क पर भागते हुए जान पड़े। वह दौड़कर बाहर आ गई। उन आदमियों से पूछा, "ऐसे भागे क्यों जा रहे हो? काली का जुलूस तो निकल गया न?"

एक आदमी बोला, "दंगा हो गया, माँ जी! दंगा, बड़ा भारी दंगा।" कहता हुआ वह तेज़ी से आगे बढ़ गया।

सावित्री के हाथ-पाँव ठंडे पड़ गए। इसी समय कुछ लोग तेज़ी से आते हुए दिखे।

सावित्री ने उन्हें भी रोका। उन लोगों ने कहा, "दंगा हो गया है।"

अब सावित्री क्या करे? उन्हीं में से एक से उसने कहा, "भाई, तुम मेरे बच्चों की खबर ला दो। दो लड़के हैं और एक लड़की। मैं तुम्हें मुँहमाँगा इनाम दूँगी।" एक देहाती ने जवाब दिया, "का हम तुम्हारे बच्चन का पहिचानित है, माँ जी? फिर जान से पियारा कुछो नाही होत।" यह कहकर वे चले गए।

सावित्री सोचने लगी, सच तो है, इतनी भीड़ में भला देहाती मेरे बच्चों को खोजे भी कैसे? पर अब करे भी तो क्या करे? उसे रह-रहकर अपने पर क्रोध आ रहा था। आखिर उसने बच्चों को भेजा ही क्यों? वे तो बच्चे ठहरे, ज़िद तो करते ही, भेजना उसके हाथ की बात थी। सावित्री पागल-सी हो गई। बच्चों की मंगल-कामना के लिए उसने सभी देवी-देवता मना डाले। शोरगुल बढ़कर शांत हो गया। रात के साथ **नीरवता** बढ़ गई, पर बच्चे लौटकर न आए। सावित्री उदास हो गई और फूट-फूटकर रोने लगी। इसी समय उसे वही **चिरपरिचित** स्वर सुनाई पड़ा, "अम्मा।"

सावित्री दौड़कर बाहर आई। उसने देखा, उसके तीनों बच्चे खान के साथ सकुशल लौट आए हैं।

खान ने सावित्री को देखते ही कहा, "**बख्त** अच्छा नहीं, अम्मा। बच्चों को ऐसी भीड़ में बाहर न भेजा करो।" बच्चे दौड़कर माँ से लिपट गए।

–सुभद्रा कुमारी चौहान

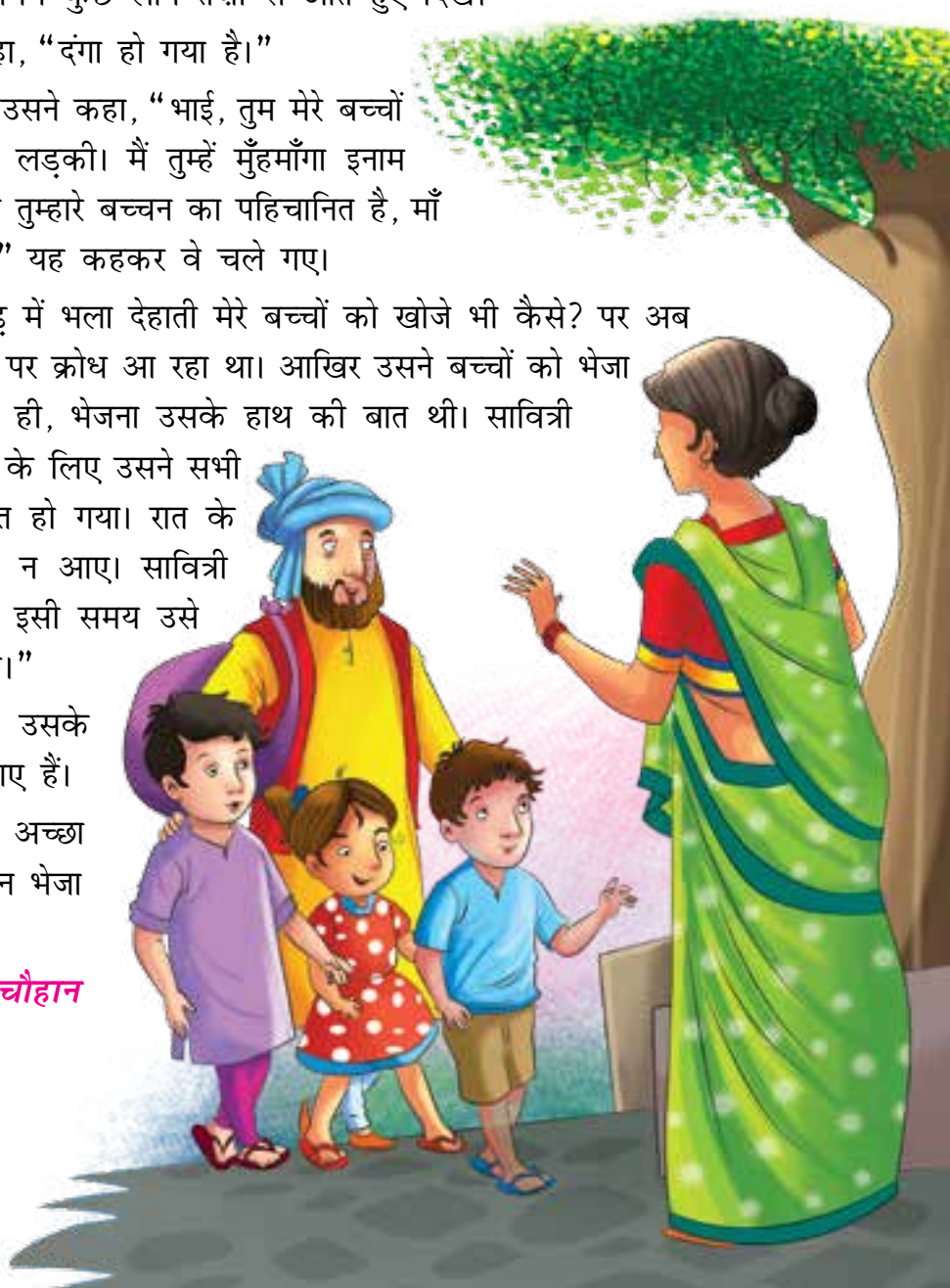

प्रख्यात लेखिका सुभद्रा कुमारी चौहान का जन्म 16 अगस्त, 1904 को निहालपुर, इलाहाबाद में हुआ था। ये गांधी जी के असहयोग आंदोलन में भाग लेने वाली प्रथम महिला थीं। इनका प्रसिद्ध कहानी संग्रह है–*बिखरे मोती*। इनके सम्मान में भारतीय डाक-तार विभाग ने 6 अगस्त, 1976 को एक डाक-टिकट जारी किया था।

शब्दकोश

शब्दार्थ

मौलसिरी – एक बहुत बड़ा सदाबहार पेड़ जिसमें सुगंधित फूल लगते हैं। (a large evergreen tree)
साफा – पगड़ी (turban)
छोर – किनारा (edge)
कूँ – को (to)
बोहनी – दिन की शुरुआत में होने वाली पहली बिक्री (first sale of the day)
छटाँक – 5 तोला (appox. 58 gm)
रेज़गी – खुले पैसे (change)
भीरु – डरपोक (timid)
प्रलोभन – लालच (temptation)
ताकीद – चेतावनी (warning)
नीरवता – शांति (silence)
चिरपरिचित – पुरानी जान-पहचान का (known for long)
बख्त – वक़्त, समय (time)

नई वर्तनी-मूल वर्तनी

उत्तर	–	उत्तर	**गंभीर**	–	गम्भीर	**हिंदू**	–	हिन्दू
पंद्रह	–	पन्द्रह	**प्रबंध**	–	प्रबन्ध	**शांत**	–	शान्त
नंबर	–	नम्बर						

अन्य भाषाओं के शब्द

बरामदे, ज़रूर, फ़ौरन, नंबर, धोखा, ख़ुदा, नाराज़, ज़बरदस्ती, सलाम, ज़रूरत, हिसाब, समझ, खत्म, उम्र, ज़ोर, रेज़गी, जुलूस, ताकीद, काफ़ी, सिनेमा, तेज़ी, ज़िद, पागल, साफा।

देखें हमने क्या सीखा

पाठ से

मौखिक (Speaking Skills)

1. खान सावित्री के घर क्यों आता था?
2. घर में हींग उपलब्ध होते हुए भी सावित्री ने खान से हींग क्यों ख़रीदी?
3. सावित्री के बच्चे उससे क्यों नाराज़ थे?
4. खान ने हींग की कीमत कितनी बताई?

लिखित (Writing Skills)

लघूत्तरीय प्रश्न (Short Answer Questions)

1. सावित्री के घर के आँगन में कौन-सा वृक्ष लगा था?

.....

2. हींग कौन बेचा करता था?

.....

3. तीस पैसे स्वयं लेना किसने स्वीकार किया?

.....

4. सावित्री स्वभाव से कैसी थी?

.....

5. बच्चे किसके साथ सकुशल लौट आए?

.....

दीर्घउत्तरीय प्रश्न (Long Answer Questions)

1. होली के अवसर पर क्या घटना घटी?

.....

.....

2. दशहरे के दिन पुलिस का कड़ा प्रबंध क्यों था?

.....

.....

3. सावित्री ने बच्चों को किस-किस प्रकार के प्रलोभन दिए?

.....

.....

4. सावित्री ने मुँहमाँगा इनाम देने की बात क्यों कही?

.....

.....

पठित गद्यांश प्रश्न (Comprehension Questions)

1. **सही उत्तर पर सही (✓) का निशान लगाइए–**

(क) इस पाठ की लेखिका का क्या नाम है?

(i) महादेवी वर्मा ☐ (ii) कमला चमोला ☐

(iii) सुभद्रा कुमारी चौहान ☐

(ख) सावित्री ने खान से कितनी हींग ख़रीदी?

(i) दस तोला ☐ (ii) पाँच तोला ☐ (iii) बीस तोला ☐

(ग) सावित्री ने तीनों बच्चों को कितने पैसे देने की बात कही?

(i) बीस ☐ (ii) तीस ☐ (iii) पैंतीस ☐

(घ) बच्चे दंगे से सकुशल किसके कारण वापस आए?

(i) खान के ☐ (ii) देहाती के ☐ (iii) रामू के ☐

(ङ) नीरवता का क्या अर्थ है?

(i) ख़ुशी ☐ (ii) शोर ☐ (iii) शांति ☐

2. **किसने, किससे कहा?**

(क) "अभी कुछ नहीं लेना है, जाओ।"

(ख) "हेरा हींग है माँ, हम तुम्हारे हाथ की बोहनी माँगता है।"

(ग) "क्या काम है? भीतर मत जाओ। यहाँ आओ।"

(घ) "भेज दो न माँ जी, मैं अभी दिखाकर लिए आता हूँ।"

	किसने कहा	**किससे कहा**
(क)	.....	.....
(ख)	.....	.....
(ग)	.....	.....
(घ)	.....	.....

भाषा से

1. **दिए गए शब्दों को वचन बदलकर पुनः लिखिए–**

पोटली –		ज़रूरतें –	
बच्चे –		रुपया –	
माँ –		डिब्बा –	
पुड़िया –		चबूतरे –	

2. **पाठ से छाँटकर कोई पाँच शब्द-युग्म लिखिए–**

....

....

पाठ में 'चलो-चलो', 'बार-बार', 'हाथ-पाँव' शब्दों का प्रयोग हुआ है। इस प्रकार साथ-साथ प्रयोग किए जाने वाले शब्दों को 'शब्द-युग्म' कहते हैं।

3. **दिए गए वाक्यों को मानक शब्दों का प्रयोग कर पुनः लिखिए–**

(क) अम्मा, हींग लेगा?

.....

(ख) हम अपने देश कूँ जाता है, बहुत दिनों में लौटेगा।

.....

(ग) का हम तुम्हारे बच्चन का पहिचानित है, माँ जी?

.....

(घ) जान से पियारा कुछो नाही होत।

.....

(ङ) बख्त अच्छा नहीं, अम्मा।

.....

(च) देश से परसूँ ही लौटा हूँ।

.....

मूल्यपरक प्रश्न/उच्चस्तरीय बौद्धिक कौशल (VBQs/HOTS)

1. क्या रामू ने जो किया वह उचित था?
2. लोग धर्म और जाति के नाम पर क्यों लड़ते हैं? क्या धर्म व जाति के नाम पर हिंसा करना उचित है?
3. हींगवाले के किन चारित्रिक गुणों ने आपको प्रभावित किया?

भाषा कौशल गतिविधियाँ (Subject Enrichment Activities)

रोचक क्रियाकलाप (Interesting Activities)

1. पुराने समय में लोग ख़रीदारी के लिए बाज़ार, हाट या फेरीवालों के पास जाते थे। परंतु वर्तमान समय में ख़रीदारी के तरीकों में परिवर्तन आ गया है। इस परिवर्तन के विषय में कक्षा में चर्चा कीजिए।
2. "सुना। समझ नहीं है, लड़ने वालों में।" खान के इस कथन पर अपने विचार लिखिए।
3. रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा रचित कहानी 'काबुलीवाला' पढ़िए।

संवाद लेखन (Dialogue Writing)

बच्चों के सकुशल घर लौट आने के बाद सावित्री और उसकी पड़ोसन के बीच इस बातचीत को पूरा कीजिए।

सावित्री : भगवान का लाख-लाख शुक्र है कि मेरे तीनों बच्चे सकुशल घर लौट आए हैं।

पड़ोसन :

सावित्री :

पड़ोसन :

सावित्री :

पड़ोसन :

सावित्री :

पड़ोसन :

सावित्री :

पड़ोसन :

आइए लेख सुधारें (Let's Improve Handwriting)

पाठ से देखकर "कई महीने ..... खत्म हो गई।" का सुंदर लेखन कीजिए।